दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरूक्षेत्र

आवश्यक सूचना

दिनांक : 09.09.2021

महाविद्यालय की सभी छात्राओं को सूचित किया जाता है कि 'आजादी के अमृत महोत्सव एवं **हिन्दी दिवस** के उपलक्ष्य में हिन्दी साहित्य परिषद् द्वारा 13–14 सितम्बर को दो दिवसीय आयोजन किया जा रहा है।

विस्तार व्याख्यान : 13 सितंबर 2021 (सोमवार) को प्रातः 11:00 बजे ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। गूगल मीट का लिंक सभी छात्राओं को उनके वॉट्सएप ग्रुप पर 13 सितंबर 2021 को प्रातः 10:45 बजे भेज दिया जाएगा। व्याख्यान में छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य है।

ऑनलाइन सूक्ति लेखन/पोस्टर बनाओ गतिविधि :

विषय : महापुरूषों/साहित्यकारों/विद्वानों द्वारा हिन्दी भाषा सम्बन्धी सूक्तियाँ हैं।

नियम :

1. इस गतिविधि में सभी संकायों की छात्राएँ भाग ले सकती हैं।
2. सूक्ति/विचार (Quotes) लेखन का माध्यम हिन्दी भाषा होना चाहिए।
3. भाग लेने के लिए इच्छुक छात्राएँ अपनी प्रविष्टियाँ 13.09.2021 तक dmmkkrhsp@gmail.com पर या निम्नलिखित वॉट्सएप नं० 9416935505, 9896162769 पर भेजें।
4. छात्राएँ अपनी प्रविष्टि पर अपना नाम, कक्षा, रोल नं० और फोन नं० अवश्य लिखें।

नोट : गतिविधि से सम्बन्धित जानकारी हेतु निम्नलिखित प्राध्यापिकाओं से सम्पर्क करें।

प्राचार्या
Principal
Dayanand Mahila Mahavidyalaya
Kurukshetra (Haryana)

हिन्दी साहित्य परिषद्
डॉ० सीमा – 9416935505
डॉ० आरती अग्रवाल 9896162769

Scanned with CamScanner

Online Extension Lecture (हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में)

13.09.2021

1.	Renu	B.A. I	1212092002185
2.	Kajal	"	2035
3.	Kiral	"	1212093002016
4.	Nisha	"	1212092002087
5.	Shalini	"	2055
6.	Siya	"	2234
7.	Gayatri	"	2215
8.	Rashi	"	2066
9.	Sandhya	"	2026
10.	Muskan	"	2051
11.	Neha	"	2235
12.	Muskan	"	1212093002046
13.	Monika	"	1212092002088
14.	Jyoti	"	2207
15.	Sandhya	"	2118
16.	Prabhkirat Kaur	"	2028
17.	Pooja	"	2192
18.	Vinita	"	2154
19.	Vanshika	"	2233
20	Archana	"	2172
21.	Anita	"	1212093002022
22.	Swati	"	2008
23.	Srishti	"	2006
24.	Manisha	"	1212092002006
25.	Preeti Rani	"	2086
26.	Manisha	"	2211
27.	Anu Devi	"	2128
28.	Mansi	"	2005
29.	Vishakha	"	2231
30.	Riya	"	1212093002047
31.	Ishu	"	1212092002135
32.	AAbha	"	1212093002034

Scanned with CamScanner

विस्तार व्याख्यान हिन्दी दिवस

13.09.2021

1.	Lovepreet Kaur	B.A II	120209002016
2.	Dharna	"	2017
3.	Himanshi	"	2019
4.	Yogu Jatiya	"	2039
5.	Nagma	"	2049
6.	Kajal	"	2060
7.	Shiwani	"	2083
8.	Sunita	"	2087
9.	Ritika	"	2118
10	Harmanpreet	"	2139
11.	Navneet	"	2141
12.	swati	"	2142
13	Prachi	"	2144
14.	Baby	"	2151
15	Archana	"	2167
16	subal	"	2185
17.	Nidhi	"	2193
18.	Neetu	"	2208
19.	Naina	"	2212
20.	Sangeeta	"	2228
21.	vanshika	"	2232
22.	Anu	"	2235
23.	Aarju	"	2236
24.	sheetal	"	2243
25.	Deeksha	"	2248
26.	Komal	"	2275
27.	Aanchal	"	2285
28.	Muskan	"	2305
29.	Jya	"	2005
30.	Ekadeshi	"	2045
31.	Rajni	"	2127

Scanned with CamScanner

विस्तार व्याख्यान 13.09.2021

हिन्दी दिवस

1	Simran	B.A. IIIrd	3148420013
2	Reenu	"	3148420153
3	Jyoti	"	20003
4	Simran preet	"	
5	Parwinder	"	3230920027
6	Kajal	"	3148420019
7	Tejasvi	"	20020
8	Neha	"	20047
9	Renu	"	20021
10	Sweety	"	20022
11	Asha	"	20030
12	Aarzoo	"	20016
13	Pranjal	"	20029
14	Harkirat	"	20205
15	Suryanshi	"	20152
16	Megha	"	3148420078
17	Rajvinder	"	20005
18	Juhi	"	20069
19	Surbhi	"	20098
20	Rajni	"	20246
21	Rishupreet kaur	"	20210
22	Jaspreet kaur	"	20157
			20044

कुल प्रतिभागी = 85

Scanned with CamScanner

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र
प्रैस–नोट

आज दिनांक 13 सितम्बर 2021 को दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र में हिन्दी साहित्य परिषद् की ओर से 'आजादी के अमृत महोत्सव एवं हिन्दी दिवस' के उपलक्ष्य में दो–दिवसीय समारोह का शुभारम्भ हुआ। इसके अंतर्गत प्रथम दिन 'आजादी के 75 वर्ष हिन्दी भाषा दशा और दिशा' विषय पर ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुभाष चन्द्र कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. विजेश्वरी शर्मा जी ने मुख्या वक्ता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त परिचय दिया तथा हिन्दी की दशा और दिशा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आजादी के 75वें वर्ष में हिन्दी भाषा भारतवासियों के विचारों एवं भावाभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बनकर उभरी है तथा इस भाषा ने अपनी सहजता, सरलता, बोधगम्यता एवं उदारता के कारण ही अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष पहचान बनाई है। मुख्य वक्ता ने अपने सम्भाषण में भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में हिन्दी की भूमिका एवं 75 वर्ष की विकास यात्रा पर विचार करते हुए कहा कि हिन्दी भाषा ने भारतीयों को संगठित किया है तथा एकजुट करते हुए अंग्रेजी सता के वर्चस्व को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिन्दी भाषा के उत्थान के संदर्भ में कबीर की उक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि भाषा सदैव विकार से विकास की ओर उन्मुख होती है। क्योंकि भाषा बहते नीर के समान है तथा 'कूप मंडूक' अर्थात् संकीर्णता और क्लिष्टता की स्थिति में उसके विकास का मार्ग अवरूद्ध हो जाता है। इसलिए उन्होंने छात्राओं को हिन्दी भाषा के सहज और सरल ग्राह्य के रूप को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं को हिन्दी के तकनीकी विकास, वैज्ञानिकता एवं उपयोगिता से भी अवगत कराया। इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सीमा, हिन्दी प्राध्यापिका डॉ. आरती अग्रवाल, प्राध्यापिका वर्ग एवं ऑनलाइन माध्यम से जुड़ा छात्रा वर्ग उपस्थित रहा।

Seen

Seema Devi

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

पंजाब केसरी WED,15 SEPTEMBER 2021
EDITION: KURUKSHETRA KESARI, PAGE

'दयानन्द महिला महाविद्यालय में हिंदी भाषा दशा और दिशा विषय पर ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान आयोजित'

कुरुक्षेत्र, 14 सितम्बर (विनोद अरोड़ा): सलारपुर रोड स्थित दयानन्द महिला महाविद्यालय में हिन्दी साहित्य परिषद् की ओर से 'आजादी के अमृत महोत्सव एवं हिन्दी दिवस' के उपलक्ष्य में 2 दिवसीय समारोह का शुभारम्भ हुआ। इसके अंतर्गत प्रथम दिन 'आजादी के 75 वर्ष हिन्दी भाषा दशा और दिशा' विषय पर ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुभाष चन्द्र कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय प्राचार्या डा. विजेश्वरी शर्मा ने मुख्या वक्ता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने हिन्दी की दशा और दिशा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आजादी के 75वें वर्ष में हिन्दी भाषा भारतवासियों के विचारों एवं भावाभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। इस भाषा ने अपनी सहजता, सरलता, बोधगम्यता एवं उदारता के कारण ही अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष पहचान बनाई है। मुख्य वक्ता ने अपने सम्भाषण में भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में हिन्दी की भूमिका एवं 75 वर्ष की विकास यात्रा पर विचार करते हुए कहा कि हिन्दी भाषा ने भारतीयों को संगठित किया है तथा एकजुट करते हुए अंग्रेजी सत्ता के वर्चस्व को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजिका डा. सीमा, हिन्दी प्राध्यापिका डा. आरती अग्रवाल, प्राध्यापिका वर्ग एवं ऑनलाइन माध्यम से जुड़ा छात्रा वर्ग उपस्थित रहा।

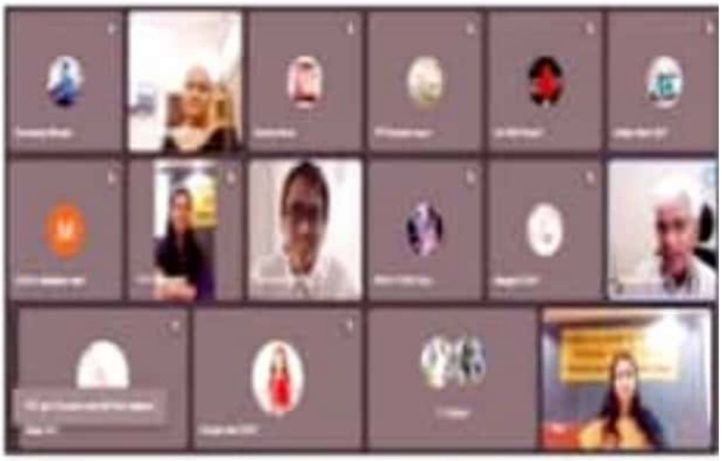

ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान में भाग लेते वक्ता।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

हिंदी की दशा और दिशा विषय पर व्याख्यान हुआ

कुरुक्षेत्र। दयानंद महिला महाविद्यालय में हिंदी साहित्य परिषद् की ओर से हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत की गई। पहले दिन आजादी के 75 वर्ष हिंदी भाषा दशा और दिशा विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान हुआ। इसमें केयू हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाष चंद्र ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि हिंदी ने भारतीयों को संगठित किया है।

हिंदी ने अंग्रेजी सत्ता के वर्चस्व को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिंदी भाषा के उत्थान के संदर्भ में कबीर की पंक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि भाषा सदैव विकार से विकास की ओर उन्मुख होती है क्योंकि भाषा बहते नीर के समान है तथा 'कूप मंडूक' अर्थात संकीर्णता और क्लिष्टता की स्थिति में उसके विकास का मार्ग अवरूद्ध हो जाता है। उन्होंने छात्राओं को हिंदी भाषा के सहज और सरल रूप को अपनाने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. विजेश्वरी शर्मा ने कहा कि आजादी के 75वें वर्ष में हिंदी भाषा भारतवासियों के विचारों एवं भावाभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बनकर उभरी है।

इस भाषा ने अपनी सहजता, सरलता, बोधगम्यता एवं उदारता के कारण ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष पहचान बनाई है। इस मौके पर डॉ. सीमा, डॉ. आरती अग्रवाल सहित छात्राओं ने हिस्सा लिया। संवाद

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

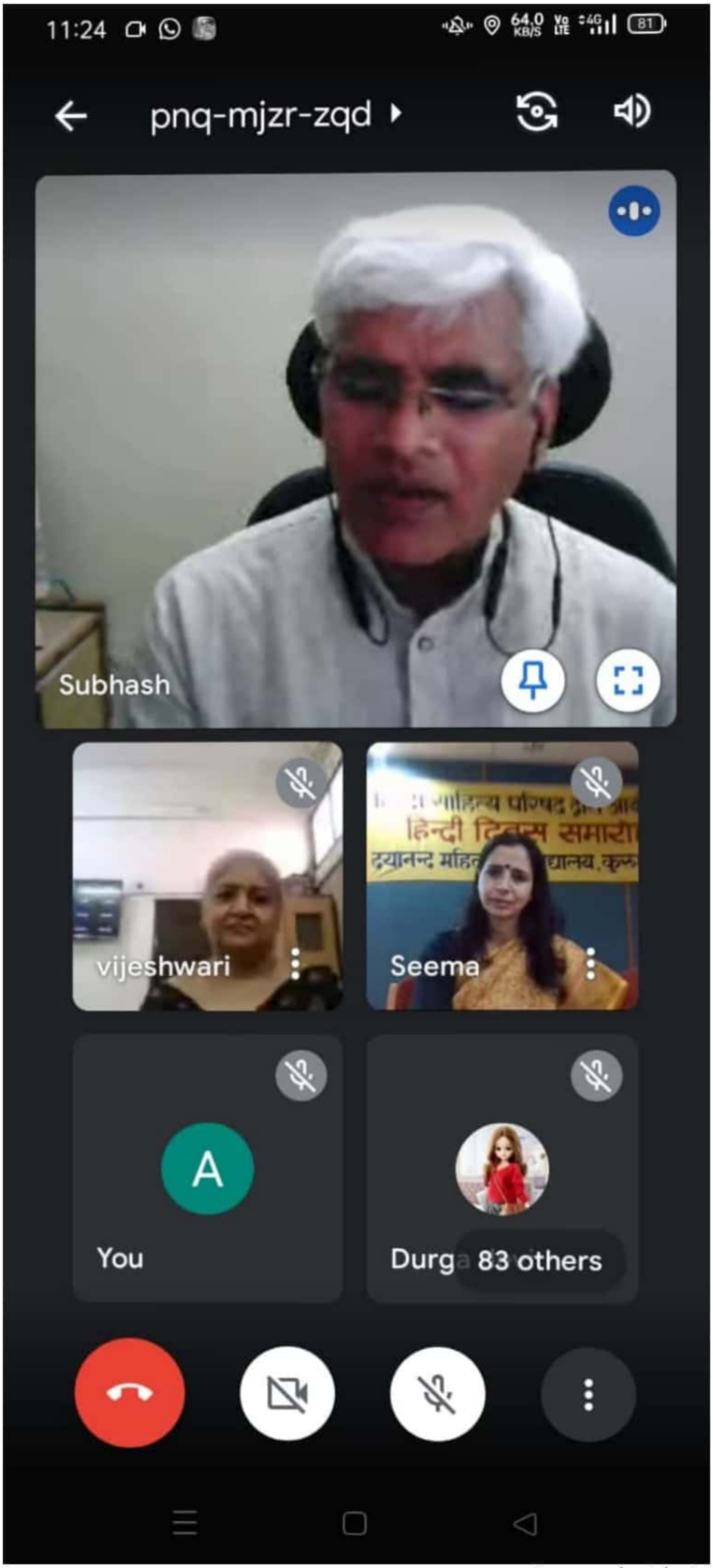

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

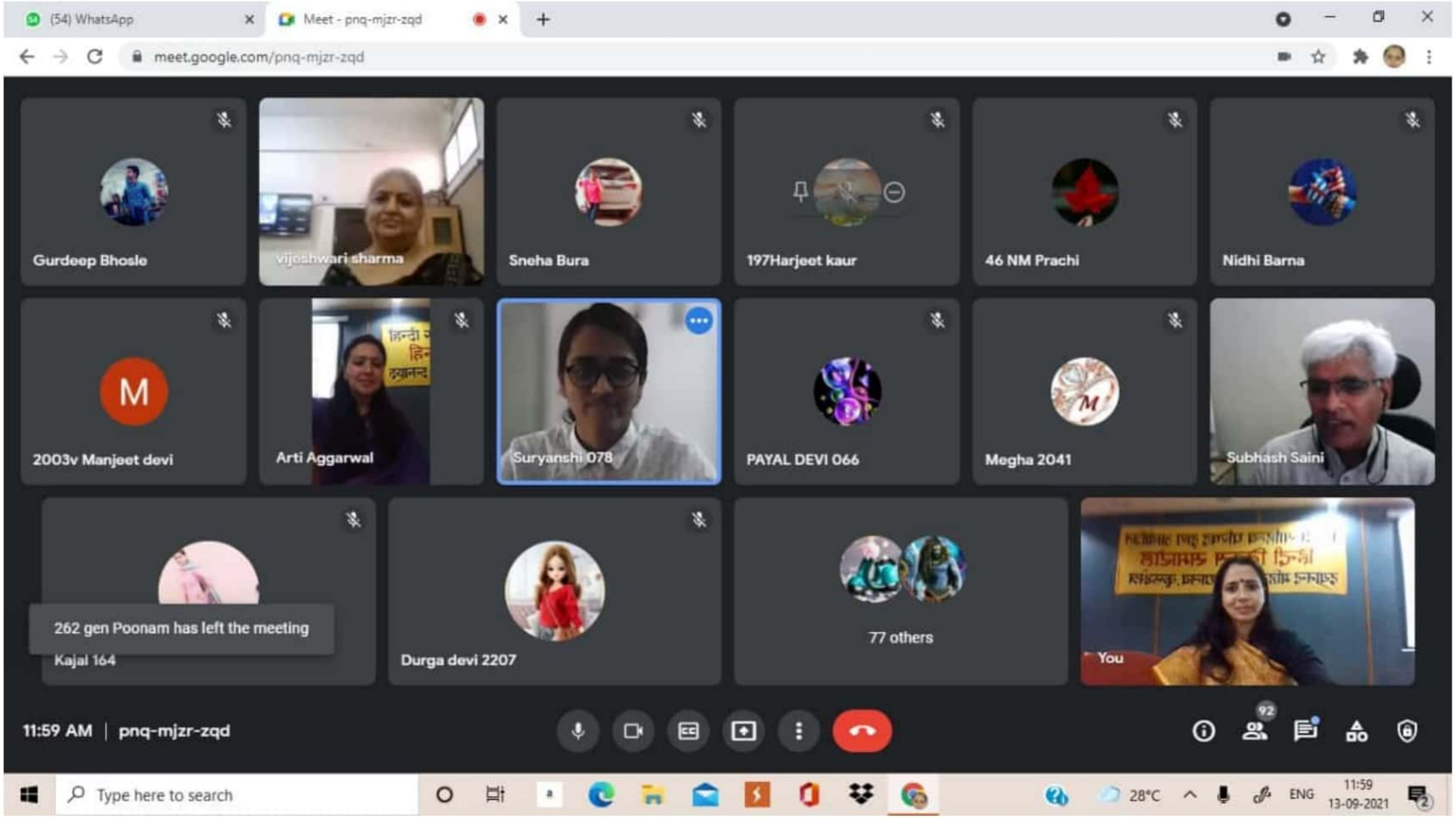

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

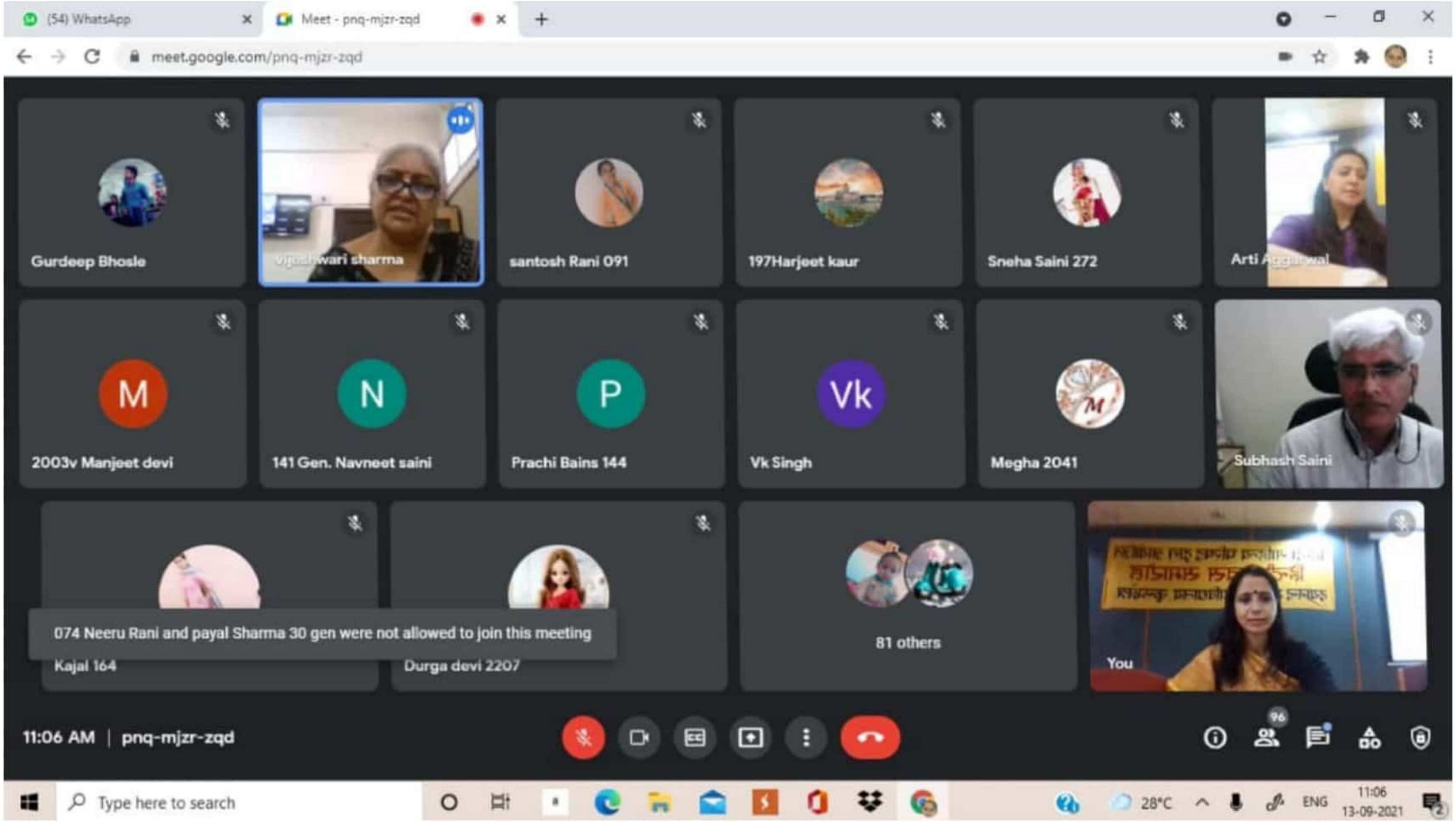

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner